Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 03 September 2024

Dainik Jagran
Page - 01,04

नई शिक्षा नीति लागू करने में डायसिस की भूमिका महत्वपूर्ण

- उप्र व उत्तराखंड के कैथोलिक शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय संगोष्ठी
- आम आदमी के सोचने का तरीका बदले ऐसी होनी चाहिए शिक्षा व्यवस्था : बिशप जेराल्ड

सेंट जोसेफ स्कूल खोराबार में उप्र एवं उत्तराखंड की कैथोलिक शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों की संगोष्ठी का उद्घाटन करतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, साथ में फादर सीबी जोसफ, बिशप जेराल्ड मथेयम, बिशप मैथ्यू नेल्लीकुन्नेल, बिशप यूजीन डिजूसा • जागरण

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में डायसिस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे भविष्य में बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने में काफी मदद मिलेगी। पूर्वांचल में शिक्षा के क्षेत्र में कैथोलिक डायसिस उल्लेखनीय कार्य कर रहा है, जो प्रशंसनीय है।

वह सोमवार को सेंट जोसेफ स्कूल खोराबार में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के आइसीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों के दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थीं। गोवि के उत्तरोत्तर विकास के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि भविष्य में गोवि द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ भी साझा कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। सेंट जोसेफ स्कूल खोराबार के प्रधानाचार्य फादर डोमिनिक ने आंगतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि गोरखपुर जेल में ही राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा दी गई थी, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई छेड़ी थी, ऐसे शहर में आपका स्वागत करते हुए अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। बतौर विशिष्ट अतिथि बिशप डा.मैथ्यू ने कहा कि जिन्होंने ज्ञान के क्षेत्र में बड़े-बड़े काम किए वो लोग साधारण विद्यार्थी थे। आइंस्टीन व स्टीफन फ्लेमिंग का उदाहरण देते हुए बताया कि साधारण विद्यार्थी होते हुए भी उन्होंने विश्व स्तर पर नाम रोशन किया और विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी खोज की। लखनऊ धर्मप्रांत के बिशप जेराल्ड ने कहा कि बच्चों को सृजनात्मक शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था का यह प्रयास होना चाहिए कि आम आदमी के सोचने का तरीका बदले। संगोष्ठी में प्रैक्टिकल कंपोनेंट, स्किल डेवलपमेंट, कंप्यूटर एजुकेशन, फील्ड वर्क, शिक्षा का अनुप्रयोग, समय-समय पर बच्चों की काउंसिलिंग एवं छात्रों के अच्छे चरित्र का निर्माण करने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी में डा.जोनस रिचर्ड, बिशप यूजिन जोसेफ (वाराणसी), बिशप विल्फ्रेड मारिस (झांसी), फादर डेनिस (आगरा), फादर रायल (बरेली), फादर विंसेंट (लखनऊ), फादर लुईस (लखनऊ), फादर केवी जार्ज (मेरठ), फादर जोमी (बिजनौर), सिस्टर एल्फोंसा (गाजीपुर), सिस्टर स्मिता (लखनऊ), सिस्टर गीता (लखनऊ), सिस्टर पुष्पा तथा फादर सिबी जोसेफ आदि मौजूद रहे।

साक्षात्कार में दिखानी होगी बहुमुखी अकादमिक प्रतिभा

पीएचडी में प्रवेश का मामला, शोध योजना, प्रस्तुति और संवाद क्षमता के मानक पर खरा उतरना होगा

शोध प्रवेश परीक्षा में पूर्णांक का आंकड़ा

लिखित परीक्षा	140 अंक
प्रस्तुति व साक्षात्कार	40 अंक
नेट-जेआरएफ या यूपी स्लेट	20 अंक
कुल	200 अंक

शोध प्रवेश परीक्षा के जरिये योग्य शोधार्थी के चयन को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पूर्णांक को अलग-अलग हिस्से में इस तरह से बांटा गया है कि शोधार्थी की बहुमुखी अकादमिक प्रतिभा का मूल्यांकन किया जा सके। साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गई है। साक्षात्कार के बाद जल्द से जल्द परिणाम घोषित करके शोध पंजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश के इच्छुक ऐसे अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने साक्षात्कार का मानक जारी कर दिया है, जिन्होंने प्रवेश के लिए आयोजित लिखित परीक्षा पास कर ली है। इन अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के दौरान अपनी बहुमुखी अकादमिक क्षमता दिखानी होगी। उन्हें शोध योजना, उसकी प्रस्तुति, संवाद क्षमता, शोध साहित्य समीक्षा और सवाल-जवाब के मानक पर खरा उतरना होगा क्योंकि इन सबके लिए अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए हैं। अभ्यर्थियों को शोध का विषय व उसकी योजना तैयार करके निर्धारित तिथि पर संबंधित विभाग में साक्षात्कार के लिए पहुंचना होगा।

साक्षात्कार कुल 40 नंबर का होगा। इसके नंबर पांच भाग विभाजित होंगे। शोध योजना, शोध साहित्य समीक्षा, शोध योजना प्रस्तुति, संवाद क्षमता और प्रश्नोत्तरी सभी के लिए आठ-आठ अंक निर्धारित किए गए हैं। साक्षात्कार में उन अभ्यर्थियों को 20 नंबर अतिरिक्त रूप से दिए जाएंगे, जिन्होंने नेट-जेआरएफ या यूपी स्लेट की प्रतियोगिता परीक्षा उत्तीर्ण की होगी।

इसे जोड़कर साक्षात्कार के अंक का मूल्यांकन 60 अंक के पूर्णांक के साथ होगा। लिखित परीक्षा के 140 अंक को जोड़कर संपूर्ण मूल्यांकन 200 अंक के पूर्णांक में होगा। साक्षात्कार में शामिल होने की अनिवार्यता रहेगी। परिणाम सीट की संख्या के अनुसार जारी किया जाएगा। सर्वाधिक अंक पाने वाले को पहले शोध का अवसर दिया जाएगा।

नौ से शुरू होगा साक्षात्कार, 13 तक चलेगा: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023-24) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा नौ से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग में आयोजित की जाएगी।

लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को संपन्न हुई थी, जिसका परिणाम आठ अगस्त को घोषित किया गया था।

प्रो. कीर्ति का गोवि में हुआ जोरदार स्वागत

समाजशास्त्र विभाग में प्रो. कीर्ति पांडेय का स्वागत करते शिक्षक • जागरण

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग का अध्यक्ष मनोनीत होने के बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कला संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर कीर्ति पांडेय सोमवार को जब विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचीं तो उनका शिक्षकों ने जोरदार स्वागत किया। सबसे पहले वह समाजशास्त्र विभाग में गईं जहां विभाग के शिक्षकों ने फूल-माला से उनकी आवभगत की। स्वागत से अभिभूत प्रो. कीर्ति ने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को अपने हाथ से मिठाई खिलाई। स्वागत और बधाई का दौर विभाग में एक घंटे से अधिक समय तक चला। उसके बाद वह अधिष्ठाता कार्यालय पहुंचीं, जहां कर्मचारियों और कला संकाय के अन्य शिक्षकों ने उनका स्वागत किया और बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रो. कीर्ति विभागीय कार्य भी निपटाती रहीं। बताया कि वह बुधवार तक कार्यभार संभाल सकती हैं।

गोवि में बढ़ाई गई प्रवेश व पंजीकरण की तिथि

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों संचालित नियमित पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम व नवम सेमेस्टर में प्रवेश व पंजीकरण फार्म भरने की तिथि विलंब शुल्क के साथ बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 31 अगस्त निर्धारित थी, जिसे 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ 10 सितंबर तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसके बाद किसी भी दशा में फार्म भरने की तिथि विस्तारित नहीं की जाएगी। जो विद्यार्थी इससे वंचित रह जाएंगे, उन्हें किसी भी दशा में परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर नहीं दिया जाएगा। (जासं)

हास्टल के लिए आनलाइन आवेदन आठ तक

गोखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए हास्टल आवंटन का आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी मंगलवार से विश्वविद्यालय के पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए पोर्टल आठ सितंबर तक खुला रहेगा।

Amar Ujala
Page - 01,07

एनईपी लागू करने में डायसिस की महत्वपूर्ण भूमिका

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में डायसिस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे भविष्य में बच्चों को उनके प्रतिभा को निखारने में मदद मिलेगी। वह सोमवार को सेंट जोसेफ स्कूल, खोराबार में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के आइसीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि भविष्य में गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ भी साझा कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। संवाद

काम की खबर

विलंब शुल्क के साथ 10 तक करें पंजीकरण

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेज में संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम, व नवम सेमेस्टर में प्रवेश और पंजीकरण फार्म भरने की तिथि विलंब शुल्क के साथ 31 अगस्त निर्धारित थी। अब इसे विस्तारित कर 10 सितंबर कर दिया है। विद्यार्थी 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ अपना पंजीकरण करा सकते हैं। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं द्वारा इस अवधि में प्रवेश एवं पंजीकरण फॉर्म पूरा नहीं किया जाता, उनको किसी भी दशा में परीक्षा में सम्मिलित नहीं होने दिया जाएगा। संवाद

छात्रावास आवंटन के लिए आवेदन आठ तक

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बाद अब छात्रावास का आवंटन किया जाएगा। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के अनुसार छात्रावास आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने हेतु पोर्टल तीन से आठ सितंबर तक खुला रहेगा। इस दौरान छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। संवाद

विश्वविद्यालय में बीए की कक्षाएं हो रहीं संचालित

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीए के विभिन्न विषयों की कक्षाएं निर्धारित समय सारणी के अनुरूप शुरू कर दी गई हैं। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. कीर्ति पांडेय ने बताया कि सभी विद्यार्थी समय-सारणी के अनुरूप अपनी क्लासेज में उपस्थिति रहें। संवाद

नाथपंथ पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 14 से, सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

डीडीयू : पहले 27 और 28 जुलाई को निर्धारित था सेमिनार, बाद में बदली तिथि

संवाद न्यूज एजेंसी

आयोजन में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नाथपंथ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 14 और 15 सितंबर को होगा। समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषय पर होने वाले इस सेमिनार का उद्घाटन 14 सितंबर को दीक्षा भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में देश व विदेश से 200 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग करेंगे। सेमिनार के संयोजक व राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय व आयोजन सचिव डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि पहले दिन चार सत्र होंगे। सुबह 11 बजे उद्घाटन सत्र से शुरुआत होगी। इसके मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे। जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, अपर मुख्य सचिव भाषा जितेंद्र कुमार और लोकपहल के संयोजक डॉ. विजय कुमार सिंह होंगे।

पहले दिन प्रथम तकनीकी सत्र में नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना विषय पर, दूसरे में नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना, तीसरे सत्र में नाथपंथीय विश्वकोष और चौथे तकनीकी सत्र में नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता विषय पर नाथपंथ के विशेषज्ञ वक्तागण राय रखेंगे।

दूसरे दिन 15 सितंबर की सुबह 10 बजे स्वतंत्रता आंदोलन में नाथ पंथ का अवदान विषय से पांचवें तकनीकी सत्र की शुरुआत होगी। इसके बाद नाथपंथ का वैश्विक प्रदेय विषय पर छठवां सत्र होगा। दोपहर बाद समापन सत्र के साथ ही सेमिनार का समापन होगा।

कार्यक्रम के समन्वक महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र और आयोजन सचिव संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी हैं।

Inext Page - 02

डीडीयू में प्रवेश व पंजीकरण की तिथि बढ़ी

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों संचालित नियमित पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम व नवम सेमेस्टर में प्रवेश व पंजीकरण फार्म भरने की तिथि विलंब शुल्क के साथ बढ़ा दी गई है. पहले यह तिथि 31 अगस्त निर्धारित थी, जिसे 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ 10 सितंबर तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसके बाद किसी भी दशा में फार्म भरने की तिथि विस्तारित नहीं की जाएगी. जो विद्यार्थी इससे वंचित रह जाएंगे, उन्हें किसी भी दशा में परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर नहीं दिया जाएगा.

आनलाइन आवेदन आठ तक

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए हास्टल आवंटन का आवेदन आमंत्रित किया गया है. इच्छुक अभ्यर्थी मंगलवार से विश्वविद्यालय के पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन के लिए पोर्टल आठ सितंबर तक खुला रहेगा.

Hindustan
Page - 03,05

कैथोलिक शिक्षण संस्थानों की दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

नई शिक्षा नीति लागू करने में डायसिस का रोल अहम

आयोजन

गोरखपुर, निज संवाददाता। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कैथोलिक शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ सेंट जोसेफ स्कूल खोराबार में हुआ। इस संगोष्ठी का उद्देश्य भारत के वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में नवोन्मेषी नेतृत्व को बढ़ावा देना है। मुख्य अतिथि डीडीयू कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने पूर्वांचल में शिक्षा के क्षेत्र में कैथोलिक डायसिस गोरखपुर के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में डायसिस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे बच्चों की प्रतिभा निखरेगी।

संगोष्ठी में चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में प्रैक्टिकल कंपोनेंट, स्किल डेवलपमेंट, कंप्यूटर शिक्षा, फील्ड वर्क और समय-समय पर बच्चों की काउंसलिंग शामिल हैं। प्रो. टंडन ने डीडीयू के विकास की चर्चा करते हुए बताया कि एशिया के 300 विवि में यह शीर्ष स्थान पर है और भविष्य में विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की योजना बनाई जा रही है।

सेंट जोसेफ स्कूल, खोराबार में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कैथोलिक शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य की दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। • हिन्दुस्तान

ये रहे उपस्थित

संगोष्ठी में वाराणसी के बिशप यूजिन जोसेफ, झांसी के बिशप विल्फ्रेड मॉरिस, आगरा के डायरेक्टर फादर डेनिस, डायरेक्टर बरेली फादर रायल, लखनऊ के डायरेक्टर फादर विसेंट, फादर लुईस, फादर के. वी. जॉर्ज, बिजनौर के फादर जोमी, गाजीपुर के सिस्टर एल्फोंसा, लखनऊ से सिस्टर स्मिता, सिस्टर गीता, सिस्टर पुष्पा और गोरखपुर से फादर सिबी जोसेफ सहित अन्य उपस्थित थे।

सेंट जोसेफ स्कूल के प्रधानाचार्य फादर डोमिनिक ने कहा कि गोरखपुर का नाम गोरखनाथ के नाम पर पड़ा है, जो यहां के लोगों के आस्था का केंद्र हैं। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के महत्वपूर्ण स्थल चौरी चौरा कांड और शहीद राम प्रसाद बिस्मिल का उल्लेख करगोरखपुर की महत्ता को रेखांकित किया।

गोरखपुर के बिशप डॉ. मैथ्यू ने कहा कि शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है और इसे जारी रखना चाहिए। लखनऊ धर्मप्रांत के बिशप जेराल्ड ने सृजनात्मक शिक्षा ग्रहण करने पर जोर दिया। संगोष्ठी के रिसोर्स पर्सन डॉ. जोनस रिचर्ड ने बदलते परिदृश्य में शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

डीडीयू के समाजशास्त्र विभाग में उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की पहली महिला अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पाण्डेय का अभिनंदन करते शिक्षक व कर्मचारी। • हिन्दुस्तान

विभाग में प्रो. कीर्ति पांडेय का हुआ अभिनंदन

गोरखपुर। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की पहली महिला अध्यक्ष बनीं प्रो. कीर्ति पाण्डेय का सोमवार को डीडीयू स्थित समाजशास्त्र विभाग में अभिनंदन किया गया। डीन ऑफिस में भी उनसे मिलकर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। विश्वविद्यालय के साथ ही विभिन्न कॉलेजों और वर्गों के लोगों ने भी डीन ऑफिस में पहुंचकर बधाई दी। विभाग में अध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी के नेतृत्व में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने बुके भेंट किया। प्रो. संगीता पाण्डेय, प्रो. सुभी धुसिया, डॉ मनीष पाण्डेय, डॉ प्रकाश प्रियदर्शी, डॉ पवन कुमार व दीपेन्द्र मोहन सिंह आदि रहे।

नाथ पंथ पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 14 सितंबर से

- सीएम योगी आदित्यनाथ 14 को सुबह 10 बजे करेंगे सेमिनार का उद्घाटन
- कुल छह तकनीकी सत्र होंगे उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय करेंगे समापन

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नाथ पंथ पर 14 और 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषय पर दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले इस सेमिनार का उद्घाटन 14 को पूर्वाह्न 11 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। दूसरे दिन उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय समापन करेंगे।

हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज और डीडीयू के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में देश-विदेश से दो सौ से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग करेंगे। सेमिनार के संयोजक व राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ अमित उपाध्याय व आयोजन सचिव डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी ने बताया कि पहले दिन चार सत्र होंगे। सुबह 11 बजे उद्घाटन सत्र से इसकी शुरुआत होगी। सीएम मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी आदि होंगे। उद्घाटन के बाद छह तकनीकी सत्र और उसके बाद समापन सत्र होगा। पहले दिन चार और दूसरे दिन दो तकनीकी सत्र होंगे।

उद्घाटन के बाद प्रथम सत्र में 'नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना' विषय पर वक्ता अपने विचार रखेंगे। दूसरे तकनीकी सत्र का विषय 'नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना-प्रक्रिया' है। तीसरे सत्र का विषय 'नाथपंथीय विश्वकोष', चौथे सत्र का विषय 'नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता', पांचवें सत्र का विषय 'स्वतंत्रता आंदोलन में नाथपंथ का अवदान', छठवें सत्र का विषय 'नाथपंथ का वैश्विक प्रदेय' है।

पहले 27 और 28 जुलाई को निर्धारित था सेमिनार: पहले यह आयोजन 27 और 28 जुलाई को निर्धारित था। अपरिहार्य कारणों से आयोजन की तिथि में बदलाव किया गया था। अब तिथि तय हो जाने के बाद आयोजन की सफलता को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

बीए की कक्षाएं हो रहीं संचालित

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीए के विभिन्न विषयों की कक्षाएं निर्धारित समय सारणी के अनुरूप शुरू कर दी गई हैं। सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का विभिन्न विषयों में क्लास के लिए पंजीकरण कार्य पूर्व से चल रहा है। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने बताया कि सभी विद्यार्थी समय-सारणी के अनुरूप अपनी कक्षाओं में उपस्थिति रहें।

विलंब शुल्क के साथ 10 तक करें पंजीकरण

गोरखपुर। डीडीयू एवं सम्बद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम व नवम सेमेस्टर के जिन छात्र-छात्राओं ने अब तक प्रवेश एवं पंजीकरण शुल्क जमा नहीं किया है, ऐसे विद्यार्थी 10 सितंबर तक 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण करा सकते हैं।

छात्रावास के लिए 8 तक करें आवेदन

गोरखपुर। डीडीयू में सत्र 2024-25 के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के छात्रावास आवंटन के लिए 3 सितंबर को पोर्टल खोला जा रहा है। छात्रावास के लिए 8 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। चीफ वार्डन प्रो. शिवाकांत सिंह ने यह जानकारी दी।

Rashtriya Sahara Page - 07

नई शिक्षा नीति लागू करने में डायसिस की भूमिका अहम्

■ गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो।

दीदउ गोविवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में डायसिस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे भविष्य में बच्चों को उनके प्रतिभा को निखारने में काफी मदद मिलेगी। पूर्वांचल में शिक्षा के क्षेत्र में कैथोलिक डायसिस उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

कुलपति सोमवार को सेंट जोसेफ स्कूल खोराबार में उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के आईसीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों के दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थीं। गोवि के उत्तरोत्तर विकास के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में गोवि द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ भी साझा कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें। सेंट जोसेफ स्कूल खोराबार के प्रधानाचार्य फादर डोमिनिक ने आंगतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि गोरखपुर जेल में ही राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा दी गई थी, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई छेड़ी थी, ऐसे शहर में आपका स्वागत करते हुए अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

■ उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के आइसीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्यों के दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

विशिष्ट अतिथि बिशप डा. मैथ्यू ने कहा कि जिन्होंने ज्ञान के क्षेत्र में बड़े-बड़े काम किये वो लोग साधारण विद्यार्थी थे। आइंस्टीन व स्टीफन फ्लेमिंग का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि साधारण विद्यार्थी होते हुए भी उन्होंने विश्व स्तर पर अपना नाम किया और विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी खोज की। लखनऊ धर्मप्रांत के बिशप जेराल्ड ने कहा कि बच्चों को सृजनात्मक शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। संगोष्ठी में प्रैक्टिकल कंपोनेंट, स्किल डेवलपमेंट, कंप्यूटर एजुकेशन, फील्ड वर्क, शिक्षा का अनुप्रयोग, समय-समय पर बच्चों की काउंसिलिंग एवं छात्रों के अच्छे चरित्र का निर्माण करने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी में डा. जोनस रिचर्ड, बिशप यूजिन जोसेफ (वाराणसी), बिशप विल्फ्रेड मारिस (झांसी), फादर डेनिस (आगरा), फादर रायल (बरेली), फादर विंसेंट (लखनऊ), फादर लुईस (लखनऊ), फादर केवी जार्ज (मेरठ), फादर जोमी (बिजनौर), सिस्टर एल्फोंसा (गाजीपुर), सिस्टर स्मिता (लखनऊ), सिस्टर गीता (लखनऊ), सिस्टर पुष्पा (लखनऊ) तथा फादर सिबी जोसेफ आदि मौजूद रहे।

विलंब शुल्क के साथ 10 तक करें पंजीकरण

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम व नवम सेमेस्टर के जिन छात्र-छात्राओं ने अब तक प्रवेश एवं पंजीकरण शुल्क जमा नहीं किया है, उन्हें एक और मौका दिया गया है। ऐसे विद्यार्थी 10 सितंबर तक 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण करा सकते हैं। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि फॉर्म पूरित नहीं करने वाले छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। **छात्रावास के लिए 8 तक करें आवेदन :** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के छात्रावास आवंटन के लिए 3 सितंबर को पोर्टल खोला जा रहा है। छात्रावास के लिए छात्र-छात्राएं 8 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। चीफ वार्डेन प्रो. शिवाकांत सिंह ने बताया कि इस अवधि में आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं को ही अर्हता के अनुसार वरीयता क्रम में छात्रावास आवंटित किया जाएगा। **पीएचडी में प्रवेश को साक्षात्कार नौ से :** गोविवि. के अंग्रेजी विभाग में रेगुलर पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश के लिए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 9 एवं 10 सितंबर को होगा जिसका समय प्रातः 10 बजे से रहेगा।

हर क्षेत्र में अपनी सार्थकता साबित कर रही महिलाएं : डॉ. पूनम

गोरखपुर। गंगोत्री देवी महिला महाविद्यालय में यायावरी वाया भोजपुरी के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. पूनम शुक्ला ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भारतीय महिलाएं हर रूप में अपने आप में एक रोल मॉडल हैं। अपनी कर्मठता से वे दुनिया दुनिया के हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति से अपनी सार्थकता साबित कर रहीं हैं। प्रतियोगिता में भारत की सशक्त महिलाओं की वेशभूषा में छात्राओं ने खुद को प्रस्तुत किया। इसमें मनीषा पांडेय, शकीना शेख, शैली सिंह, गौरी गौर, मुस्कान साहनी, आकांक्षा यादव, अनुष्का सिंह, खुशी त्रिपाठी, करीना साहनी, आरती गौर, प्रकिता आदि शामिल रहीं।

Amar Ujala Select
Page - 04

नाथपंथ पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 14 से, सीएम करेंगे उद्घाटन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नाथपंथ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 14 और 15 सितंबर को होगा। समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषय पर होने वाले इस सेमिनार का उद्घाटन 14 सितंबर को दीक्षा भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में देश व विदेश से 200 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग करेंगे। सेमिनार के संयोजक व राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय व आयोजन सचिव डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से बताया कि पहले दिन चार सत्र होंगे। सुबह 11 बजे उद्घाटन सत्र से शुरुआत होगी। इसके मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे। जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, अपर मुख्य सचिव भाषा जितेंद्र कुमार और लोकपहल के संयोजक डॉ. विजय कुमार सिंह होंगे।

पहले 27 और 28 जुलाई को निर्धारित था सेमिनार, बाद में हुआ परिवर्तन

पहले दिन प्रथम तकनीकी सत्र में नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना विषय पर, दूसरे में नाथ सिद्ध परंपरा एवं साधना, तीसरे सत्र में नाथपंथीय विश्वकोष और चौथे तकनीकी सत्र में नाथपंथीय साहित्य में सामाजिक समरसता विषय पर नाथपंथ के विशेषज्ञ वक्तागण राय रखेंगे।

दूसरे दिन 15 सितंबर की सुबह 10 बजे स्वतंत्रता आंदोलन में नाथ पंथ का अवदान विषय से पांचवें तकनीकी सत्र की शुरुआत होगी। इसके बाद नाथपंथ का वैश्विक प्रदेय विषय पर छठवां सत्र होगा। दोपहर बाद समापन सत्र के साथ ही सेमिनार का समापन होगा।

विलंब शुल्क के साथ 10 तक करें पंजीकरण

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेज में संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम, व नवम सेमेस्टर में प्रवेश और पंजीकरण फार्म भरने की तिथि विलंब शुल्क के साथ 31 अगस्त निर्धारित थी। अब इसे विस्तारित कर 10 सितंबर कर दिया है। विद्यार्थी 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ अपना पंजीकरण करा सकते हैं। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं द्वारा इस अवधि में प्रवेश एवं पंजीकरण फॉर्म पूरा नहीं किया जाता, उनको किसी भी दशा में परीक्षा में सम्मिलित नहीं होने दिया जाएगा।

छात्रावास के लिए आवेदन आठ तक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बाद अब छात्रावास का आवंटन किया जाएगा। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी के अनुसार छात्रावास आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने हेतु पोर्टल तीन से आठ सितंबर तक खुला रहेगा। इस दौरान छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं।

कला संकाय की कक्षा में लगा बोर्ड.. विद्यार्थी खुश

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय के कमरा नंबर 250 में अब दरवाजे के पीछे लिखकर पढ़ाई नहीं होगी। वहां पर बोर्ड लगा दिया गया है। सोमवार को कक्षा में बोर्ड देखकर विद्यार्थी खुश हो गए। कमरा नंबर 250 में प्राचीन इतिहास की कक्षाएं चलती हैं। कक्षा में लोकसभा चुनाव के समय बोर्ड उखड़ गया था। इसके बाद से ही वह लग नहीं पाया था। नया सत्र शुरू होने के बाद क्लास में बोर्ड न होने की वजह से शिक्षक मजबूरन दरवाजे के पीछे लिखकर पढ़ा रहे थे। अमर उजाला ने 29 अगस्त के अंक में 'कक्षा में नहीं हैं ब्लैक बोर्ड... दरवाजे पर लिखकर विद्यार्थियों को पढ़ा रहे गुरुजी' शीर्षक से खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसका विश्वविद्यालय प्रशासन ने संज्ञान लिया और नया ग्रीन बोर्ड लगवा दिया। बोर्ड लगने के बाद छात्रों ने बताया कि उन्हें अब कोई समस्या नहीं हो रही है। शिक्षकों को भी पढ़ाने में आसानी हो रही है।

Swatantra Chetna
Page - 04, 05

यूपी एवं उत्तराखंड के कैथोलिक शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों की दो दिवसीय संगोष्ठी

नई शिक्षा नीति को लागू करने में डायसिस की भूमिका महत्वपूर्ण : कुलपति

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलित कर अपने संबोधन में कहा नई शिक्षा नीति को लागू करने में डायसिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। इससे भविष्य में बच्चों की प्रतिभा निखरेगी। उन्होंने यह भी कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय का एशिया के तीन सौ विश्वविद्यालयों में पहला स्थान है। भविष्य में विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार किया जा रहा है।

सेंट जोसेफ स्कूल, खोराबार के प्रधानाचार्य फादर डोमिनिक ने गोरखपुर के इतिहास के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने गोरखनाथ जी, बुद्ध भगवान एवं चौरी चौरा कांड सहित क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल के विषय में बताया।

विशिष्ट अतिथि डॉ मैथ्यू ने बताया शिक्षा सीखने की एक सतत प्रक्रिया है अभ्यास करते रहना चाहिए। लखनऊ धर्म प्रांत के बिशप जेराल्ड बच्चों को सृजनात्मक शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। डॉ जोनास रिचर्ड ने कहा आज के प्रवेश में शिक्षक बनना चुनौतीपूर्ण कार्य है। बच्चों के अंदर महान मूल्यों तथा उनकी संवाद क्षमता को बढाने पर ध्यान देना चाहिए।

संगोष्ठी में मुख्य रूप से बिशप यूजिन जोसेफ, बिशप बिलफ्रेड मारिस, फादर डेनिस, फादर रॉयल, फादर विंसेंट, फादर लुईस, फादर के बी जॉर्ज, फादर जोमी, सिस्टर एल्फोंसा, सिस्टर स्मिता, सिस्टर गीता, सिस्टर पुष्पा एवं फादर सिबी जोसेफ आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 10 तक

☐ विलम्ब शुल्क के साथ 10 तक कर सकेंगे आवेदन
☐ छात्रावास के लिए आज से ऑनलाइन आवेदन शुरू

गोरखपुर। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध समस्त राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों (स्नातक, परास्नातक, पी-एच०डी०, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स) तृतीय, पंचम, सप्तम, एवं नवम सेमेस्टर तथा परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि को 10 सितंबर तक कर दी गई है।

विश्विद्यालय के कुलसचिव ने बताया की विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि विलम्ब शुल्क के साथ 31 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। सम्यक विचारोपरान्त छात्रहित में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित करने की तिथि 500 प्रति छात्र विलम्ब शुल्क के साथ 10 सितंबर तक पुनः विस्तारित कर दी गई है।

छात्रावास के लिए 6 दिन खुला रहेगा ऑनलाइन आवेदन पोर्टल

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय में आगामी सत्र 2024-25 के नवप्रवेशित छात्र / छात्राओं हेतु छात्रावास आवंटन किया जाना है।

छात्रावास आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन करने के लिए पोर्टल 03 से 08 सितंबर तक खुला रहेगा।